

12/4/17

वारी म समय-वर्षाने-दरवेस-
कार-उक्त-प्रकार-कार-वेस पर-लेने
का विवेक-लिया, फिर-कथन-लिया-
की रस-पत्राचार-नके-मस-बाद-उक्त-
लेखन-का-कोई-विवार-नके-ही-इस-विषय-
प्रकार-परि-विशेष-को-लिया-
होने।

अतः वर्षाने-वारी-के-विवेक-
पर-वारी-की-उक्त-दर-ही-कार-की-
होने-ही-तथा-प्रकार-परि-विशेष-
को-लिया-होने-ही-पत्राचली-के-मस-
शुभ-वेस-का-होना-दालिया-
होने।


सहायक कलक्टर
(S.D.O.), खीवसर